www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 354 || लखनऊ
मंगलवार
31 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:58
सूर्यास्तः 06:23
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 22°00

» पेज 03

विशेष समाचार | तमिलनाडु चुनाव में चुनावी हलचल... » पेज 02 | बड़े ने की छोटे भाई की हत्या... » पेज 04 | 40 की उम्र में सोनम दूसरी बार मां...

वामपंथियों ने भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा, अब बस्तर से लाल आतंक लगभग खत्म

जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी होगी : शाह

गृह मंत्री बोले- 12 साल में देश के मूल्यों से न जुड़ी हुई पॉलिसी को दरकिनार किया

गृह मंत्री ने कहा- 2014 में बदलाव हुआ। धारा 370 हटी, 35A हटा, राम मंदिर बना, CAA का कानून आ गया है, विधायी मंडलों में महिलाओं को 33% आरक्षण मिल गया है। ये सारे काम नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल में हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में 'नक्सल मुक्त भारत' मुद्दे पर चर्चा के दौरान सरकार की तरफ से जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा- जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, ऐसा नहीं चलेगा। हथियार उठाने वालों को उसकी कीमत चुकानी होगी। शाह ने कहा- सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए भोले भाले आदिवासियों को बहकाया। कांग्रेस ने आजादी के बाद 75 साल में 60 साल राज किया। फिर आदिवासी विकास से क्यों बच गए। संसद में आज नक्सलवाद पर चर्चा सरकार की तरफ से दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले हो रही है। शाह कई बार 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा कर चुके हैं। शाह ने कहा- नक्सलियों को लोकतंत्र पर कोई भरोसा नहीं है। यहां बहुत सारे लोग 3 घंटे से कह रहे हैं कि अन्याय है तो न्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं लेकिन लड़ने का तरीका क्या है। हम अंग्रेजों के शासन में नहीं है। गृह मंत्री ने कहा- कुछ लोगों ने भगत सिंह और भगवान बिरसा मुंडा से तुलना कर दी। ये क्या हिमाकत है। भगत सिंह और बिरसा मुंडा अंग्रेजों से लड़े और आप इनकी तुलना संविधान तोड़कर हथियार हाथ में लेकर निर्दोषों की हत्या करने वालों से कर रहे हैं। इनको अपनों का भी खून बहाने से परहेज नहीं है। शाह ने आगे कहा- इनके आदर्श तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, सुभाष बाबू या भगतसिंह नहीं हैं। इनके आदर्श माओवादी हैं। ये आदर्श भी फॉरेन से लाते हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

शाह बोले- नक्सलवाद का मूल कारण विकास नहीं, एक विचारधारा है

शाह ने कहा- सरकार ने ढेर सारी योजनाएं बनाईं लेकिन आपने (कांग्रेस) उन्हें इम्प्लीमेंट नहीं करने दिया। 12 राज्यों में रेड कॉरिडोर था। वहां कानून का शासन नहीं था। 12 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे थे। किसी ने चिंता नहीं की। हजारों युवाओं की मौत हुई। एक NGO के मुताबिक, 20 हजार युवा मारे गए। लोग दिव्यांग हो गए।

उन तक विकास नहीं पहुंचा। शाह ने कहा- इन सबके लिए कौन जिम्मेदार है। नक्सलवाद का मूल कारण विकास की डिमांड नहीं, एक विचारधारा है। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए 1970 से इंदिरा गांधी ने स्वीकार कर लिया कि वामपंथी विचारधारा के कारण नक्सलवाद फैला। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था।

महुआ मोइत्रा ने नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान कहा कि आज देश राइटविंग आतंकवाद से त्रस्त है। एनर्जी क्राइसिस से निपटने के लिए किसी रोडमैप की कोई बात नहीं हो रही है। आज आपने अचानक नक्सलवाद पर चर्चा शुरू करा दी। कितने महान हैं अमित शाह जी, सबको ठोक कर टंडा कर दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद 1969 में सिलीगुड़ी के पास नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ और बाकी जगह फैला।

अनुराग ठाकुर बोले- शाह आज अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आए हैं

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- भारत माता के सबसे दर्दनाक घावों में एक नक्सलवाद है। देश को यह घाव कांग्रेस ने दिया। हमारे नेता ने संकल्प लिया था कि नक्स्लवाद को 31 मार्च, 2026 तक खत्म कर देंगे और वे आज अपना रिपोर्टकार्ड लेकर आए हैं। इसके कहते हैं- संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा।

शाह बोले- आदिवासियों को 60 साल तक घर-स्कूल और मोबाइल टॉवर क्यों नहीं मिला

अमित शाह ने कहा- मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि 75 साल में 60 साल तो राज आपने किया तो आदिवासी विकास से क्यों बच गए। 60 साल तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हो। अपने गिरेबान में झांककर देखिए।

"शाह ने कहा- पिछले 12 साल में देश को गरीबी से मुक्ति दिलाने के लिए, युवाओं के लिए नई शिक्षा पद्धति लाने के लिए, आंतरिक-बाहरी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, देश के मूल्यों से न जुड़ी हुई पॉलिसी को दरकिनार करने के लिए बहुत कुछ हुआ। गृह मंत्री ने कहा- अगर कोई पॉलिटिकल साइंस का छात्र इसकी रेटिंग करेगा कि सारी चीजों से सबसे ज्यादा फायदा किस फैसले से हुआ है तो वो छात्र नक्सलमुक्त भारत को पहले नंबर पर रखेगा।

लोकसभा में इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल पास

लोकसभा में आज इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल, 2025 को पारित करा लिया गया है। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्टसी कोड (IBC) देश के बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति में सुधार लाने में प्रमुख और अत्यंत महत्वपूर्ण फैक्टर रही है।

शाह ने कहा- आदिवासियों के जरिए सत्ता हासिल करना नक्सल विचारधारा का मकसद

शाह ने कहा- ये जो बड़ी घटना देश में आकार लेने जा रही है उसका श्रेय CAPF खासकर कोबरा, CRPF के जवान और छत्तीसगढ़ पुलिस और वहां के स्थानीय आदिवासी बाशिंदों को जाता है। यहां पर वामपंथी उग्रवाद समाप्ता होने जा रहा है। इसमें वहां की जनता का भी बहुत बड़ा हाथ है। जो हजारों युवा मारे गए, जो जवान शहीद हो गए उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। गृह मंत्री ने कहा- नक्सलियों की विचारधारा का विकास से कोई लेना-देना नहीं है। जब हम आजाद हुए हमने कहा 'सत्यमेव जयते'। सत्य की हमेशा विजय हो। इनका ध्रुव वाक्य है- सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। यहां सत्ता शब्द का संबंध अपनी विचारधारा की विजय के लिए है। विचारधारा को आदिवासियों में फैलाकर सत्ता हासिल करने के लिए है। यहां विकास की कोई बात नहीं है।

अंगोला से एलपीजी खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां

जहाजों को होर्मुज से नहीं गुजरना होगा, खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने की प्लानिंग

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान जंग की वजह से भारत में आई गैस की कमी से निपटने के लिए सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए देशों से रसोई गैस (LPG) खरीदने का ऑप्शन तलाश रही है। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से LPG खरीदने पर बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और सरकार स्तर पर भी चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत की 92% LPG खाड़ी देशों से आती है। भारत सरकार इस निर्भरता घटाना चाहती है। ऐसे में अगर अंगोला से करार हो जाता है तो जहाज अटलांटिक और अरब सागर से होते हुए सीधे भारत पहुंचेंगे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजरना होगा। भारत और अंगोला के बीच पहले से तेल और गैस का व्यापार होता रहा है, इसलिए दोनों देशों के बीच भरोसा और सप्लाई सिस्टम पहले से बना हुआ है।

» (शेष पेज 04 पर)

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन अरेस्ट

दिल्ली, तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

शब्बीर अहमद लोन पर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े होने का आरोप है।

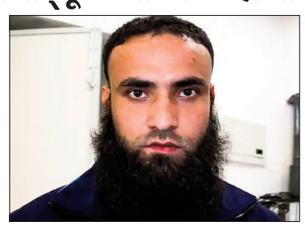

नई दिल्ली। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा (Let) से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (CIK) ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी। CIK के मुताबिक, इस मामले के तार एक ट्रांजैक्शनल नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं, जिसमें मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे।

फास्ट न्यूज

नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने रविवार 29 मार्च को अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। फिर उसके शव के कई टुकड़े कर दिए। इसके बाद खुद पुलिस स्टेशन गया और अपना अपराध को कबूल कर लिया। मृतक की पहचान 31 साल की मोनिका के रूप में हुई है। शुरुआती जांच के अनुसार, आरोपी ने प्रेमिका का सिर, हाथ और पैर को धड़ से अलग किया।

रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर

मुंबई। ईरान जंग की वजह से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आज यानी 30 मार्च को पहली बार 95 के पार पहुंच गया। कारोबार के दौरान ये 95.22 के सबसे निचले स्तर पर गिर गया। हालांकि बाद में ये थोड़ा संभला और कारोबार खत्म होने पर 94.78 पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव 94.85 के मुकाबले डॉलर के सामने 7 पैसे की मामूली मजबूती है। रुपए की कमजोरी का असर आम आदमी पर भी होगा। इससे विदेशों से इम्पोर्ट होने वाले सामान जैसे मोबाइल, सोना-चांदी, कच्चा तेल खरीदना महंगा हो जाएगा। इससे महंगाई बढ़ेगी। इसकी सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल है।

न्यूयॉर्क में बनेगा 'राजस्थान भवन'

जयपुर। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (RANA) की ओर से न्यूयॉर्क में आयोजित 77वें राजस्थान दिवस और होली स्नेह मिलन समारोह में बड़ी घोषणा की गई। समारोह में RANA के अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने बताया- . मेहता और चंद्रा मेहता के मेहता फैमिली ट्रस्ट की ओर से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 50 करोड़ रुपए) की प्रारंभिक राशि इंडो-यूएस फ्रेंडशिप सेंटर के निर्माण के लिए दी जाएगी।

राहुल का आरोप केवल आरएसएस को ही विदेशी फंड मिलेगा

संघ नफरत फैलाता है, लोगों को बांटता है, ममता बोलीं- बीजेपी कैश-गैस बंद कर देगी

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/गुवाहाटी/चेन्नई/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं। उन्होंने कोट्टायम में कहा- विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA) में संशोधन विधेयक लाया जाना है। जिससे गंभीर बात है, क्योंकि इसके तहत केवल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) ही विदेशी फंड प्राप्त कर सकेगा, जबकि अन्य संगठनों पर रोक लगा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि RSS में ऐसी क्या खास बात है कि उनके लिए अलग नियम हैं? वे नफरत फैलाते हैं और लोगों को बांटते हैं। भाजपा इसी तरह काम करती है। इससे पहले पतनमतिट्टा में राहुल ने कहा था कि नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में हैं। ठीक इसी तरह, नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को भी अपने इशारों पर नचाते हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

चुनाव से जुड़े बड़े अपडेट्स

- प्रधानमंत्री मोदी ने असम में बीजेपी कार्यकर्ताओं से नमो एप के जरिए ऑनलाइन चर्चा की।
- केरल में घर से वोटिंग शुरू प्रक्रिया शुरु हो गई है। जो लोग वोट डालने जाने में असमर्थ हैं, उनसे पोस्टल बैलेट के जरिए वोटिंग कराई जा रही है।
- तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सोमवार को चेन्नई के कोलाथुर सीट से नामांकन दाखिल किया। टीवीके चीफ विजय ने पेरम्बूर सीट से नामांकन दाखिल किया।
- भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की। आरोप लगाया कि टीएमसी बंगाल में चुनाव हाईजैक कर रही है। ममता बनर्जी घर-घर जाकर वोटर्स को धमका रही हैं।

मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक, कहा- ईरान युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ

स्पेन ने अमेरिका के लिए बंद किया एयरस्पेस

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। स्पेन ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल अमेरिकी सैन्य विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। साथ ही मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है। स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गारीटा रोब्लेस ने कहा कि वे अपने एयरस्पेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से जुड़े किसी भी सैन्य अभियान के लिए नहीं होने देंगे। इस फैसले के बाद अमेरिकी विमानों को अपना रास्ता बदलना पड़ेगा। अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो ने भी फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि उनका देश ऐसे युद्ध का साथ नहीं देना चाहते जो बिना वजह शुरू किया गया हो और कानून के खिलाफ हो।

» (शेष पेज 04 पर)

"ईरान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान जो बातचीत कराने की कोशिश कर रहा है, वह उसका अपना प्रयास है और उसमें ईरान शामिल नहीं है। दरअसल, पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए बातचीत कराने की बात कही थी। लेकिन ईरान के इनकार के बाद यह पहल कमजोर पड़ती दिख रही है।

ईरान ने जंग में पाकिस्तान की मध्यस्थता से इनकार किया

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह पाकिस्तान की तरफ से की जा रही किसी भी मध्यस्थता की कोशिश का हिस्सा नहीं है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास के बयान के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के साथ उसकी कोई सीधी बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका दूसरे देशों के जरिए गैर-जरूरी शर्तें रख रहा है।

कैस्पियन सागर के पास ईरानी सैन्य ठिकाने पर हमला

ईरान के उत्तर में कैस्पियन सागर के पास एक सैन्य ठिकाने पर हमला किया गया है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि यह जगह इजराइल से करीब 1,600 किलोमीटर दूर है।

कैस्पियन सागर के पास ईरानी सैन्य ठिकाने पर हमला

ईरान के उत्तर में कैस्पियन सागर के पास एक सैन्य ठिकाने पर हमला किया गया है। यह ठिकाना घने जंगल के अंदर बना हुआ था। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि यह जगह इजराइल से करीब 1,600 किलोमीटर दूर है और यहां एयर डिफेंस सिस्टम लगाए गए थे, जो उनके लड़ाकू विमानों के लिए खतरा बन सकते थे। इराक के किर्कुक तेल क्षेत्रों से तुर्किये को कच्चे तेल की सप्लाई फिर से शुरू हो गई है। इराक की सरकारी तेल कंपनी SOMO के मुताबिक, अब इराक-तुर्किये पाइपलाइन के जरिए तुर्किये के जयहान बंदरगाह तक ऑयल पहुंचाया जा रहा है।

योजना : 28 लाख छात्रों को 3,350 करोड़ स्कॉलरशिप मिली, इनमें 13.52 लाख ओबीसी बच्चे

पहले आधी रकम सपाई डकार जाते थे : योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा, सपा सरकार में एससी-एसटी बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं दी गई। छात्रवृत्ति के पैसे को दूसरे कार्यों में डायवर्ट कर दिया गया। जिन्हें मिलती थी, उनका आधा पैसा सपा के लोग डकार जाते थे। 2017 में हमारी सरकार सत्ता में आई तो सपा के कार्यकाल वाली छात्रवृत्ति भी देनी पड़ी। आज सभी छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दी जा रही है। सीएम ने लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में कक्षा 9 व 10 के साथ-साथ दशमोत्तर स्तर के कुल 27,99,982 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप दी। 3,350 करोड़ रुपए सीधे उनके खाते में ट्रांसफर की गई। 33,334 गरीब परिवारों के आश्रित सदस्यों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत 100 करोड़ रुपए की मदद भी दी गई। सीएम योगी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह स्कीम पर बोलते हुए कहा, आज गरीब की बेटी की भी सम्मानजनक तरीके से शादी हो रही है। 5.54 लाख बेटियों की शादी अब तक इस स्कीम से हो चुकी है। एक लाख की सहायता राज्य सरकार इस शादी में देती है। कोविड में कई नौजवान कोचिंग के लिए दूसरे राज्यों में गए थे। राजस्थान में यहां से बसें भेजनी पड़ी थीं। इसके बाद अभ्युदय कोचिंग चालू किया था।

» (शेष पेज 04 पर)

सीएम योगी ने कहा- कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जा रहे

सीएम ने कहा, बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में सरकार मदद कर रही है। अब तक 26 लाख बेटियों को लाभ पहुंचा चुके हैं। सरकार ने बजट में कई नए प्रावधान किए हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए छत्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। मेरठ, प्रयागराज, झांसी, आगरा व गोरखपुर में भी 500–500 की क्षमता का छात्रावास बनाया जा रहा है। महिला उद्यमिता सशक्तीकरण अभियान के तहत वहां के प्रोडक्ट को डिस्प्ले के लिए भी पैसे की व्यवस्था की है।

"सीएम योगी ने छात्रों को नसीहत दी- ये स्कॉलरशिप आपकी मंजिल नहीं है। परिश्रम आपकी मंजिल है। स्कॉलरशिप के पैसे का दुरुपयोग मत करना। आपको सपोर्ट करने और आगे बढ़ने के लिए एक प्लेटफार्म दिया गया है।

बच्चों से सीएम योगी बोले- स्कॉलरशिप का दुरुपयोग मत करना

सीएम ने कहा, ये स्कॉलरशिप इसलिए दी गई है कि आप और मेहनत कर सकें। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं। स्कॉलरशिप आपकी मंजिल नहीं है। परिश्रम आपकी मंजिल है। स्कॉलरशिप के पैसे का दुरुपयोग मत करना। सरकार का संबल है। सपोर्ट करने और आगे बढ़ने के लिए एक प्लेटफार्म दिया गया है।

पटना यूनिवर्सिटी में नीतीश के कार्यक्रम में हुआ हंगामा

छात्र बोले- कैंपस को बीजेपी ऑफिस नहीं बनने देंगे

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना यूनिवर्सिटी में एकेडमिक भवन और प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करने पहुंचे। इस दौरान छात्र नेताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान छात्रों ने पटना DM चोर है और डिप्टी CM गो बैक के नारे भी लगाए। CM के पहुंचने से पहले भी छात्र नेता नारेबाजी कर रहे थे। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर का कहना है कि इस कार्यक्रम के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई थी। यहां तक कि कुलपति को भी इसके लिए निमंत्रण नहीं दिया गया है। हंगामे के चलते CM ने 7 से 8 मिनट में अपना कार्यक्रम खत्म किया और वहां से निकल गए। इस दौरान मुख्यमंत्री कैंपस में जहां-जहां गए छात्रनेता उनके पीछे-पीछे जाते रहे। VC से छात्रों ने कहा, आप अपने लिए खड़े होइए सर, हमलोग आपके साथ हैं। यूनिवर्सिटी को हम बीजेपी का कार्यालय नहीं बनने देंगे। छात्रों का कहना है VC को CM से मिलने नहीं दिया गया। वो गए, लेकिन उनको बिना मिले भेज दिया गया। पटना स्टूडेंट छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु कॉलेज गेट पर ताला लगाने के लिए पहुंचे थे।

सम्पादकीय

नेपाल में नया युग

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जेन ज़ी (नयी पीढ़ी) आंदोलन से हुई बड़ी राजनैतिक उथल-पुथल के बाद सत्ता के नए युवा युग की शुरुआत हुई है। 35 बरस के बालेन शाह ने नेपाल के अब तक के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर शुक्रवार को शपथ ली। रैपर-गायक के तौर पर नेपाल के युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे बालेन शाह चार बरस पहले 2022 में काठमांडू के मेयर नियुक्त हुए थे, अब उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को हाल ही में हुए चुनाव में लगभग दो-तिहाई बहुमत मिला, जो यह जाहिर करता है कि नेपाल में अब राजनीति का युवा दौर आ चुका है। बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके ही गढ़ झापा में तगड़ी मात देकर बता दिया था कि जेन ज़ी ने अब नेपाल की कमान अपने हाथों में ले ली है। चुनाव कवरेज इससे पहले बांग्लादेश में भी छात्र आंदोलन से ही राजनैतिक उथल-पुथल मची थी, लेकिन वहां अस्थिरता और अशांति का दौर कुछ लंबा खिंचा और अब तारिक रहमान के नए नेतृत्व में फिलहाल भारत से संबंध सुधरते दिख रहे हैं। अब नज़रें नेपाल के नए नेतृत्व पर हैं। दरअसल समृद्ध और विकास की ओर बढ़ते पड़ोसी देशों से भारत का विकास और सुरक्षा भी जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान से तो भारत के संबंधों में तल्खी और अविश्वास बने ही रहते हैं, इसलिए जरूरी है कि नेपाल और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध मजबूत रहें और उन्हें चीन के प्रभाव में न आने दिया जाए। इसके लिए भारत को अभी से मजबूत रणनीति बनानी होगी। ध्यान देने की बात है, राजशाही के बाद नेपाल में बनी तमाम सरकारें कमोबेश चीन के प्रभाव में रही हैं। नेपाल का चीन के साथ होने में कोई आपत्ति नहीं, लेकिन फिर उस वजह से भारत का विरोध नहीं होना चाहिए। यह एक हिंदू बहुल देश है, जिससे भारत से रोटी-बेटी के संबंध सदियों पुराने हैं। वैसे नेपाल में बालेन शाह ने ऐसे वक्त में सत्ता संभाली है, जब पूरी दुनिया पर मध्यपूर्व में चल रही जंग का असर दिखने लगा है। तेल की कीमतों में आग लगी हुई है और खाड़ी देशों में रोजगार के अवसर अब काफी घट गए हैं। नेपाल से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए इन देशों में जाते हैं, लेकिन अब वे लौटेंगे तो इन लोगों को देश में ही रोजगार देना बहुत बड़ी चुनौती रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि हर दिन क़रीब 2,900 नेपाली काम के लिए विदेश जाते हैं और उनका भेजा पैसा देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। यह पैसा नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 26 फ़ीसदी से अधिक है। इसके अलावा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अक्षम प्रशासन को सुधारना भी बालेन शाह सरकार के सामने प्रमुख चुनौतियां रहेंगी। क्योंकि इन्हीं कारणों से ही युवाओं की नाराजगी सत्ता के खिलाफ फूटी थी और जेन ज़ी आंदोलन खड़ा हुआ था। बालेन शाह अगर इस मोर्चे पर आधे भी कामयाब होते हैं, तो नेपाल गरीबी और अभाव के दलदल से बाहर निकलने लगेगा। नयी सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती राजनैतिक स्थिरता कायम करने की है। तीन करोड़ लोगों के इस देश में राजशाही खत्म होने के बाद से राजनीतिक स्थिरता लाने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन अब तक कामयाबी नहीं मिली। बल्कि राजशाही के दौर में भी सरकारों के बदलने का सिलसिला जारी था। ध्यान रहे कि 1990 से 2026 के बीच 32 सरकारें नेपाल की सत्ता में आई और किसी भी सरकार ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। बालेन शाह ने अगर प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सरकार को पांच साल बनाए रखा, तो यह वाकई युगांतकारी घटना होगी। चुनाव कवरेज शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वह नैतिकता और सुशासन को प्राथमिकता देगा और ऑनलाइन माध्यम से सेवाएं देने का वादा किया था। इसके अलावा पार्टी ने कहा है कि वह देश की संरचना में पक्षपात ख़त्म करेगी। अब इन घोषणाओं पर कब तक अमल होता है, इस पर नेपाल की जनता निगाह रखेगी ही। वैसे प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि आंदोलन में मारे गए मृतक छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि उनके परिवारों को आर्थिक सहारा मिल सके। इस पर काम भी शुरु हो गया है। इसके अलावा बालेन शाह सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को भी शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया। ओली पर आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने और छात्रों की मौत का ठीकरा फोड़ा गया है। इस मामले में एक जांच समिति भी गठित की गई, जिसकी रिपोर्ट में कहा गया, 'भले ही गोली चलाने का सीधा आदेश साबित ना हुआ हो, लेकिन फायरिंग को रोकने का कोई प्रयास भी नहीं किया गया। कार्यकारी प्रमुख होने के नाते ओली को हर अच्छे-बुरे परिणाम के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।' हालांकि अभी तक यह साबित नहीं हुआ है कि क्या ओली ने लापरवाही दिखाई जिस वजह से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इसके बाद यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या ओली की गिरफ्तारी के पीछे कोई राजनैतिक बदले की भावना है। क्योंकि खुद ओली ने अपनी गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'बदले की कार्रवाई' करार दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है और वह इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। 1966 में मार्क्स और लेनिन से प्रेरित होकर राजनीति में आए 74 बरस के ओली चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उन्होंने कई किस्म के राजनैतिक झंझावातों का सामना किया है।

तमिलनाडु चुनाव में चुनावी हलचल तेज हो गई है , किसका पलड़ा भारी ?

> **कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।**

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। एक-एक करके सारे दल अपने घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। पलानीस्वामी ने एआईएडीएमके का घोषणपत्र जारी किया। उन्होंने कई जाने-पहचाने वादे किए हैं। इसमें महिलाओं को मिलने वाली मासिक नकद सहायता राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये करना, परिवारों को एकमुश्त 10,000 रुपये की राहत राशि देना, पुरुषों के लिए मुफ्त बस यात्रा, प्रति वर्ष तीन एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, फसल ऋण माफी, धान के लिए उच्च समर्थन मूल्य और सौर ऊर्जा पर सब्सिडी शामिल है। सबके खास चुनावी वादा है, हर राशन कार्ड धारक को एक फ्रिज देना।पलानीस्वामी ने घोषणापत्र को चुनाव का नायक बताया। एक मायने में, वे सही हैं। तमिलनाडु में, कल्याणकारी वादे कभी भी चुनाव प्रचार का सिर्फ एक हिस्सा नहीं होते। वे अक्सर खुद चुनाव प्रचार होते हैं, वह भाषा जिसके माध्यम से पार्टियां सम्मान, कर्ज, भूख, आकांक्षा और घरेलू तनाव के बारे में बात करती हैं। देखा जाय तो इस समय हिन्दुत्व का राजनीतिक विरोध तमिलनाडु की खास पहचान बना हुआ है। ई.वी। रामासामी द्वारा रखी गई वैचारिक नींव यहां की राजनीति को आज भी आकार दे रही है; यह धार्मिक लामबंदी के बजाय सामाजिक न्याय, भाषाई पहचान और तर्कवाद को प्राथमिकता देती है। यह जीवंत ढांचा आज भी मतदाताओं की अपेक्षाओं और राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावित करता है। जैसा कि चेन्नई स्थित शिक्षाविद सी। लक्ष्मणन कहते हैं, तमिलनाडु में चुनाव केवल पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि गरिमा, कल्याण और अधिकारों के मुद्दों पर लड़े जाते हैं। इस ढांचे में अपने पैर जमाने के लिए बीजेपी को संघर्ष करना पड़ रहा है। अपने सांगठनिक आधार का विस्तार करने और नेतृत्व को चमकाने पर भारी-भरकम खर्च करने के बावजूद, उसकी रणनीतियां मोटे तौर पर राज्य की राजनीतिक सोच के अनुरूप नहीं दिखी हैं। धार्मिक पहचान को आगे लाने के प्रयासों को सीमित सफलता ही मिली है, जबकि गठबंधन बनाने की कोशिशें क्षेत्रीय पार्टियों की वजह से बाधित हुई हैं, जो अपनी जगह छोड़ने को तैयार नहीं। जैसा कि पत्रकार एम। सतीश कुमार कहते हैं, तमिलनाडु में बीजेपी की समस्या आकांक्षा-महत्वाकांक्षा की कमी नहीं, बल्कि एक ऐसी राजनीतिक भाषा की कमी है जो लोगों के दिलों को छू सके। गठबंधन पर अपनी निर्भरता के कारण बीजेपी का एआईएडीएमके (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कजगम) के साथ एक जटिल रिश्ता बन गया है; यह एक ऐसी पार्टी है जो खुद अंदरूनी अस्थिरता से जूझ रही है। जे। जयललिता के निधन के बाद से, एआईएडीएमके को एक एकजुट ताकत के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान अब गुटों के बीच गहरी और स्थायी दरारों में बदल गई है।हालांकि ई।के। पलानीस्वामी ने संगठन पर कुछ हद तक नियंत्रण हासिल कर लिया है, फिर भी पार्टी में एकता अब भी दूर की कौड़ी बनी हुई है। पकड़ मजबूत करने के उनके प्रयासों ने ओ। पनीरसेल्वम के खेमे से जुड़े गुटों को पार्टी से अलग-थलग कर दिया है; वहीं, वी।के। शशिकला की छाया अब भी पार्टी के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल की तरह मंडरा रही है। कोयंबटूर के वरिष्ठ एआईएडीएमके नेता सिंगाई रामचंद्रन ने बड़ी बेबाकी के साथ समस्या की गंभीरता को स्वीकार कियाः ऐसे समय जब वोट जुटाने पर ध्यान देना चाहिए था, पार्टी अब भी नेतृत्व के मुद्दे पर उलझी हुई है। आलोचकों का कहना है कि पलानीस्वामी अपनी ताकत स्थापित करने में तो सफल रहे हैं, लेकिन आम सहमति नहीं बना पाए हैं। यह असंतुलन पार्टी की उस क्षमता को कमजोर करता है जिससे वह ऐसे चुनाव में विश्वसनीय चुनौती पेश कर सके जिसमें दोनों की आवश्यकता है। यह विखंडन एआईएडीएमके तक ही सीमित नहीं है। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) अपने मजबूत वन्नियार आधार के साथ प्रभावशाली तो बनी हुई है, लेकिन राजनीतिक रूप से अस्थिर है। आंतरिक फेरबदल, पीढ़ीगत परिवर्तन और बदलते गठबंधन विकल्पों ने इसकी स्थिति को अनिश्चित बना दिया है। हालांकि उत्तरी तमिलनाडु में इसकी कुछ हद तक पकड़ मजबूत बनी हुई है, लेकिन व्यापक विपक्षी विमर्श को आधार देने के लिए आवश्यक एकजुटता का अभाव है। जैसा कि लक्ष्मणन बताते हैं, पीएमके वोट जुटा सकती है, लेकिन उन्हें एकजुट नहीं कर सकती। राज्य की भीड़भाड़ वाले राजनीतिक मंच पर अब अभिनेता विजय ने कदम रख दिया है, जिनका राजनीति में आना उत्साह और उथल-पुथल, दोनों का मेल है। अलग-अलग तबकों में जबरदस्त लोकप्रियता रखने वाले विजय एक नई राजनीतिक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, उनका शुरुआती असर शायद बिखरा हुआ ही रहने वाला है। उनके समर्थकों का आधार काफी हद तक डीएमके-विरोधी मतदाता वर्ग से मेल खाता है, जिससे अलग-अलग सीटों पर सत्ता-विरोधी वोटों के बंट जाने की संभावना बढ़ जाती है। जैसा कि डीएमके के प्रवक्ता सेलम धरणीधरन बताते हैं, विजय को अगर पांच से आठ फीसद वोट भी मिल जाते हैं, तो वे दर्जनों सीटों के नतीजों को बदल सकते हैंः अपनी छाप छोड़ने के लिए उन्हें किसी जबरदस्त जीत की जरूरत नहीं। फिलहाल, विश्लेषकों का मानना है कि विजय डीएमके के लिए खतरा कम, बल्कि उसके विरोधियों के लिए नई उलझन ज्यादा हैं। विपक्ष की आंतरिक फूट सत्ताधारी गठबंधन की आपसी एकता के बिल्कुल विपरीत है।

■ अशोक भाटिया

जन सुराज का...

डॉ. शैलेश शुक्ला

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक विफलता का प्रमाण है निरंतर हो रहे अंतरराष्ट्रीय युद्ध

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब वैश्विक समुदाय ने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना की, तब उसका मूल उद्देश्य स्पष्ट था—भविष्य में युद्धों को रोकना, राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा को स्थायी आधार प्रदान करना किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ अनेक युद्ध और सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अपने मूल उद्देश्य में सफल रही हैं। यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी। यद्यपि मृत्यु दर में उतार-चढ़ाव देखा गया किंतु सक्रिय संघर्षों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि विश्व

व्यवस्था में अस्थिरता गहराती जा रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संघर्षों को रोकने या नियंत्रित करने में सीमित सफलता ही प्राप्त कर पा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को वैश्विक शांति और सुरक्षा का मुख्य संरक्षक माना जाता है किंतु व्यवहार में उसकी संरचना और निर्णय प्रक्रिया कई बार उसकी प्रभावशीलता को सीमित कर देती है। स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो अधिकार के कारण कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव केवल इसलिए पारित नहीं हो पाते क्योंकि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक हित उनसे टकराते हैं। यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस ने अनेक प्रस्तावों पर वीटो का प्रयोग किया, जबकि गाजा संघर्ष के दौरान भी विभिन्न प्रस्ताव स्थायी सदस्यों के मतभेदों के कारण लंबित या विफल रहे। इस स्थिति ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता और क्षमता दोनों पर प्रश्न खड़े किए हैं, क्योंकि जब वही राष्ट्र, जिन पर शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी है, स्वयं संघर्षों में पक्षकार बन जाते हैं या अपने सहयोगियों के पक्ष में निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, तब संस्था की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सीमित प्रभावशीलता का एक अन्य संकेत वैश्विक सैन्य व्यय में लगातार हो रही वृद्धि है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में विश्व का कुल सैन्य व्यय 2.718 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत भाग सैन्य खर्च पर व्यय किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्र सुरक्षा के लिए सामूहिक संस्थाओं पर भरोसा करने के बजाय अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल हथियारों की दौड़ को बढ़ावा देती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस भूमिका को भी कमजोर करती है, जिसमें वे सामूहिक सुरक्षा और संघर्ष-निवारण के माध्यम से युद्ध की आवश्यकता को कम करने का प्रयास करती हैं। हाल के वर्षों में विश्व के कई प्रमुख संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थायी और सर्वमान्य समाधान नहीं निकल सका। इसी प्रकार पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के बीच हिंसा बार-बार युद्धविराम के बावजूद पुनः भड़क उठती है। सूडान में आंतरिक संघर्ष ने मानवीय संकट को जन्म दिया, किंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय समय रहते निर्णायक हस्तक्षेप नहीं कर सका। इन सभी उदाहरणों में यह देखा गया कि संस्थाएँ बयान जारी करने, मानवीय सहायता प्रदान करने और कूटनीतिक प्रयास करने तक तो सक्रिय रहीं, किंतु संघर्षों को शीघ्र समाप्त कराने या दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की इस विफलता के पीछे कई संरचनात्मक और राजनीतिक कारण हैं। संयुक्त राष्ट्र की संरचना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की शक्ति संतुलन पर आधारित है, जबकि आज का विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है। नए उभरते राष्ट्र और क्षेत्रीय शक्तियाँ वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रही हैं, किंतु सुरक्षा परिषद की संरचना में अब तक व्यापक सुधार नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप, अनेक राष्ट्र स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से बाहर या हाशिये पर महसूस करते हैं, जिससे संस्थाओं की वैधता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थाओं की शक्ति मुख्यतः सदस्य राष्ट्रों की सहमति और सहयोग पर निर्भर करती है। यदि कोई शक्तिशाली राष्ट्र किसी निर्णय को मानने से इनकार कर देता है या प्रतिबंधों को नजरअंदाज करता है, तो संस्थाओं के पास उसे बाध्य करने के सीमित साधन ही होते हैं। यही कारण है कि कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों या परिषदों के निर्णय नैतिक और कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हुए भी व्यवहार में लागू नहीं हो पाते।

फिल्मों में आने...

सुभाष शिरढोनकर

हॉट महिलाओं की फेहरिस्त में जगह पा चुकी हैं वर्तिका सिंह

पिछले साल 7 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' (2025) को ऑडियंस और क्रीटिक्स का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म में यामी गौतम 'शाह बानो' और इमरान हाशमी उनके पति 'मोहम्मद अहमद खान' की भूमिका में दिखाई दिए जबकि एक्ट्रेस वर्तिका सिंह भावनात्मक रूप से मजबूत 'मोहम्मद अहमद खान' की दूसरी बीवी के किरदार में थीं। इस किरदार में वर्तिका सिंह के काम को हर किसी ने खूब पसंद किया। इसके बाद वह अचानक सुर्खियों में आ गई। फिल्म में वर्तिका सिंह की एक्टिंग को ऑडियंस ने खूब पसंद किया। सोशल मीडिया यूजर्स तो उनकी तारीफ करते थक ही नहीं रहे थे। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म के जरिए वर्तिका ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म 'हक' (2025) तक पहुंचने का वर्तिका सिंह का सफर आसान नहीं रहा। यह फिल्म उन्हें कई ऑडिशन मे मिले रिजेक्शन के बाद मिली थी। अनेक ऑडिशन अच्छे होने के बावजूद जब रोल किसी और को ही मिले, तब वर्तिका ने घर लौटने तक का सोच लिया था लेकिन फिर मॉडलिंग में अच्छे मौके मिलने लगे और वह मुंबई में टिकी रहीं। 27 अगस्त 1993 को लखनऊ में पैदा हुई मॉडल-एक्ट्रेस वर्तिका सिंह के पिता ब्रज नाथ सिंह खेती से जुड़े वैज्ञानिक जबकि मां वहां के एक सरकारी स्कूल में टीचर थीं। वर्तिका सिंह की शिक्षा लखनऊ के कैनोसा कॉन्वेंट स्कूल में हुई। उन्होंने इसाबेला थोबर्न कॉलेज से क्लिनिकल न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स में बेचलर और लखनऊ विश्वविद्यालय से सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। साल 2015 में 'फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल' का खिताब हासिल कर चुकी वर्तिका सिंह को 'जीक्यू मेगजीन' ने साल 2016 में भारत की

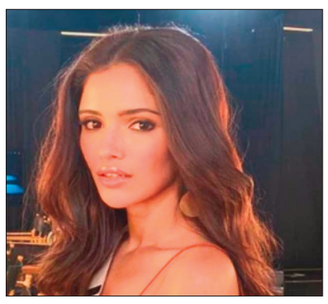

सबसे हॉट महिलाओं की फेहरिस्त में स्थान दिया था। उसके बाद वर्तिका सिंह ने साल 2017 में 'किंगफिशर मॉडल हंट प्रतियोगिता' में भाग लिया और 'किंगफिशर बिकिनी कैलेंडर' के मार्च और अक्टूबर वाले पन्नों पर जगह बनाई। साल 2019 में वर्तिका सिंह को मिस यूनिवर्स इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए शीर्ष 20 में स्थान बनाया। फिल्मों में आने के पहले वर्तिका सिंह ने बतौर प्रोफेशनल मॉडल खास पहचान बनाते हुए अलग मुकाम हासिल किया। कुणाल खेमू के साथ 'सवारे...' (2017) और ऐश किंग और करन के म्यूजिक वीडियो 'किशमिश...' (2019) कर चुकी वर्तिका सिंह का आज फैशन इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर काफी नाम है। खासकर इंस्टाग्राम पर वह अपने ग्लैमरस अंदाज से खूब सुर्खियां बटोरती हैं। ओटीटी के लिए 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय का प्रदर्शन कर चुकी वर्तिका सिंह एक्टिंग के अलावा सोशल कामों में भी सक्रीय हैं। साल 2018 में वर्तिका ने 'प्योर ह्यूमंस' नाम की एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन शुरू की। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर टीबी जैसी बीमारी को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने का काम भी किया है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ शैलेश शुक्ला

सरकार जिम्मेदार और जन कल्याण केंद्रित होने की आवश्यकता

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में जनसेवाएँ—स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता, परिवहन, बिजली, आवास, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल सेवाएँ, कानून-व्यवस्था, न्याय, कृषि सहायता और शहरी सुविधाएँ—सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि नागरिक जीवन की रीढ़ हैं। इन सेवाओं की गुणवत्ता सीधे नागरिकों के अवसर, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी होती है। इसलिए यह कहना कि सरकार की भूमिका मूलभूत सुविधाएँ हर नागरिक तक पहुँचाने की है, केवल आदर्शवादी कथन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का स्वीकार है। परंतु जब सार्वजनिक व्यवस्था अपेक्षित स्तर पर परिणाम नहीं देती, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है—क्या निजीकरण से उत्पादकता बढ़ाकर हम तेजी से विकसित राष्ट्र बन सकते हैं? और यदि कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम निजीकरण के बाद घाटे से लाभ में आ सकते हैं, तो क्या सरकारी प्रक्रियाओं को भी अधिकाधिक निजी बनाना चाहिए? सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि जनसेवा का दायरा केवल स्वास्थ्य और शिक्षा तक सीमित नहीं है। एक नागरिक के दैनिक जीवन में सड़क, सार्वजनिक परिवहन, जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, नगर निकाय सेवाएँ, डिजिटल दस्तावेज़, पुलिस और न्याय व्यवस्था, कृषि विपणन, रोजगार सेवाएँ और सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। इन सभी क्षेत्रों में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता है। यदि कोई नागरिक बिजली कनेक्शन, जन्म प्रमाणपत्र या पेंशन के लिए महीनों भटकता है, तो वह व्यवस्था की अक्षमता से पीड़ित होता है। ऐसे अनुभवों से निजीकरण के पक्ष में तर्क मजबूत होते हैं। निजीकरण का एक प्रमुख तर्क यह है कि निजी संस्थाएँ प्रतिस्पर्धा के दबाव में अधिक कुशल होती हैं। वे समयबद्ध सेवाएँ देती हैं,

लागत पर नियंत्रण रखती हैं और ग्राहक-संतुष्टि को प्राथमिकता देती हैं। कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के उदाहरणों में यह देखा गया है कि संरचनात्मक सुधार, पेशेवर प्रबंधन और निजी पूँजी के प्रवेश से वित्तीय प्रदर्शन सुधरा है। घाटे में चल रही इकाइयाँ लाभ में आईं, सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर हुई और निवेश बढ़ा। इससे यह धारणा बनती है कि निजीकरण उत्पादकता का पर्याय है। यदि सार्वजनिक उपक्रम लाभकारी बन सकते हैं, तो क्या प्रशासनिक प्रक्रियाएँ भी निजी शैली में संचालित होकर परिणाम बेहतर नहीं दे सकतीं? यहाँ दो स्तरों पर विचार करना आवश्यक है। पहला—सेवा प्रदाय का स्तर; दूसरा—नीति और नियमन का स्तर। सेवा प्रदाय में दक्षता बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी, अनुबंध आधारित प्रबंधन, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, आउटसोर्सिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन जैसे उपाय अपनाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, शहरी परिवहन में निजी बस ऑपरेटरों को स्पष्ट मानकों के साथ अनुबंध देना, कचरा प्रबंधन में निजी एजेंसियों को परिणाम आधारित भुगतान, या डिजिटल सेवाओं के लिए तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी—ये सभी उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। इससे नागरिक को बेहतर, तेज़ और कम लागत वाली सेवाएँ मिल सकती हैं। परंतु दूसरा स्तर—नीति और नियमन—पूरी तरह निजी हाथों में नहीं जा सकता। सरकार का दायित्व है कि वह न्यूनतम मानक तय करे, सामाजिक न्याय सुनिश्चित करे और दूरदराज़ या अलाभकारी क्षेत्रों में भी सेवाएँ उपलब्ध कराए। निजी संस्था स्वाभाविक रूप से लाभदायक क्षेत्रों पर ध्यान देगी; जबकि सरकार का कार्य है कि वह वहाँ भी सेवा पहुँचाए जहाँ बाजार स्वेच्छा से नहीं जाता। यदि पूरी प्रक्रिया निजी कर दी जाए, तो ग्रामीण इलाकों, कम आय वर्गों और सामाजिक रूप से वंचित समुदायों की आवश्यकताएँ उपेक्षित हो सकती हैं। इसलिए निजीकरण को नीति-निर्माण का विकल्प नहीं, बल्कि सेवा-सुधार का उपकरण समझना चाहिए। सरकारी प्रक्रियाओं में सुधार के लिए "निजीकरण" का अर्थ अनिवार्य रूप से स्वामित्व परिवर्तन नहीं होना चाहिए। कई बार समस्या स्वामित्व की नहीं, बल्कि कार्य-संस्कृति की होती है। यदि सरकारी कार्यालयों में प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन, समयबद्ध सेवा गारंटी, डिजिटल ट्रैकिंग और स्पष्ट जवाबदेही लागू की जाए, तो परिणाम निजी क्षेत्र के समान हो सकते हैं। उत्पादकता केवल निजी पूँजी से नहीं, बल्कि कुशल प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और जिम्मेदार नेतृत्व से आती है। इसलिए "निजीकरण" के बजाय "निजी-शैली प्रबंधन" को अपनाना अधिक व्यावहारिक मार्ग हो सकता है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल आर्थिक वृद्धि दर से नहीं, बल्कि समावेशी विकास से जुड़ा है। यदि उत्पादकता बढ़ती है, निवेश आता है और सेवाएँ बेहतर होती हैं, तो विकास की गति तेज़ हो सकती है। परंतु यदि इस प्रक्रिया में असमानता बढ़ती है, तो सामाजिक संतुलन बिगड़ सकता है। विकसित राष्ट्र बनने का अर्थ है—उच्च उत्पादकता के साथ उच्च सामाजिक सुरक्षा। इसलिए सरकारी प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण और पारदर्शीकरण अत्यंत आवश्यक है। ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन सेवा पोर्टल, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपाय पहले ही इस दिशा में संकेत दे चुके हैं कि सुधार संभव है। जनसेवाओं के क्षेत्र में एक संतुलित मॉडल उभर सकता है—जहाँ सरकार नीति और नियमन का संरक्षक हो, और निजी क्षेत्र दक्ष सेवा प्रदाता के रूप में भागीदारी करे। उदाहरण के तौर पर, जल आपूर्ति या शहरी परिवहन में निजी प्रबंधन अनुबंध, परंतु दर निर्धारण और सेवा मानकों पर सरकारी नियंत्रण; स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में निजी अस्पतालों की भागीदारी, परंतु गरीबों के लिए सरकारी वित्तीय सुरक्षा; शिक्षा में निजी संस्थानों की उपस्थिति, परंतु गुणवत्ता और समावेशन के स्पष्ट मानदंड—ये मॉडल उत्पादकता और समानता दोनों का संतुलन बना सकते हैं।

फखर जमान पर 1-2 मैच का बैन लग सकता है, लाहौर पर 5 रन की पेनल्टी

पाकिस्तान लीग में बॉल टैंपरिंग विवाद

लाहौर/कराची, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के सीजन 2026 के मुकाबले में बॉल टैंपरिंग को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। रविवार को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए रोमांचक मैच में लाहौर कलंदर्स पर गेंद से छेड़छाड़ (बॉल टैंपरिंग) का आरोप लगा और उन्हें 5 रन की पेनल्टी भुगतनी पड़ी।

इसके अलावा, लाहौर के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान पर एक या दो मैच का बैन लगाया जा सकता है। घटना कराची किंग्स की पारी के 19वें ओवर के बाद हुई।

जीत के लिए आखिरी ओवर में कराची किंग्स को 14 रन चाहिए थे और लाहौर कलंदर्स की ओर से हारिस रऊफ गेंदबाजी करने आए। इसी दौरान कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और फखर जमान रन-अप पर एक साथ इकट्ठा हो गए और गेंद के

साथ छेड़छाड़ करते हुए पाए गए। अंपायर फैसल अफरीदी ने यह पूरी घटना देखी और तुरंत गेंद को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने गेंद की जांच की और स्क्वेयर लेग अंपायर शर्फुद्दौला के साथ लंबी चर्चा की। अंपायरों ने फैसला लिया कि लाहौर कलंदर्स ने गेंद से छेड़छाड़ की है। इसके परिणामस्वरूप कराची किंग्स को 5 पेनल्टी रन दिए गए और गेंद को तुरंत बदल दिया गया। इस पेनल्टी के बाद कराची को जीत के लिए केवल 9 रन चाहिए थे।

कराची किंग्स ने पेनल्टी रन का फायदा उठाकर जीत दर्ज की

पेनल्टी रन मिलने के बाद कराची किंग्स को जीत के लिए आखिरी ओवर में केवल 9 रन चाहिए थे। हारिस रऊफ ने पहली गेंद पर खुशदिल शाह को आउट किया, लेकिन अगली गेंद वाइड चली गई। इसके बाद क्रीज पर आए अब्बास अफरीदी ने चौका और छक्का लगाकर अपनी टीम को 3 गेंद शेष रहते 4 विकेट से जीत दिला दी। इस जीत के साथ कराची किंग्स ने महत्वपूर्ण अंक भी हासिल किए।

फखर जमान पर अब सुनवाई होगी

इस घटना के बाद फखर जमान को मैच रेफरी रोशन महानामा के सामने सुनवाई का सामना करना होगा। सुनवाई के बाद ही यह तय होगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं। PSL में बॉल टैंपरिंग के मामलों को गंभीरता से देखा जाता है और इससे खिलाड़ियों की टीम और व्यक्तिगत छवि पर भी असर पड़ता है। Meta Description: PSL 2026 में लाहौर कलंदर्स पर बॉल टैंपरिंग का आरोप, फखर जमान पर एक या दो मैच का बैन संभव, कराची किंग्स ने पेनल्टी रन के बाद 4 विकेट से रोमांचक जीत हासिल की।

अंपायरों के इस निर्णय से लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन अफरीदी मैदान पर भड़क गए और उन्होंने अंपायरों के साथ बहस की। मैच के बाद प्रेस रेसेप्शनी में शाहीन ने कहा कि उन्हें अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ कि पेनल्टी रन क्यों दिए गए।

हार्दिक ने मिहिका को 1.7 करोड़ की कार गिफ्ट की

दोनों शोरूम पर साथ दिखे, अक्टूबर में अपने रिश्ते का खुलासा किया था

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपनी गर्लफ्रेंड मिहिका शर्मा को करीब 1.7 करोड़ रुपए की मर्सिडीज बेंज वी क्लास कार गिफ्ट की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक और मिहिका दोनों शोरूम पर साथ दिखे, जहां उन्होंने इस कार को डिलीवर करवाया। हार्दिक लग्जरी कारों के शौकीन हैं और हाल ही में उन्होंने खुद के लिए भी एक महंगी फरारी खरीदी थी। वहीं, क्रिकेट के मैदान पर भी हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने इतिहास रच दिया है। टीम ने 13 सालों के सूखे को खत्म करते हुए सीजन का अपना पहला मैच जीत लिया है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को 6 विकेट से हराया। हार्दिक और मिहिका शर्मा ने

हार्दिक और मिहिका की यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

अक्टूबर 2025 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। इसके बाद से ही मिहिका को अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और क्रिकेट स्टेडियम में हार्दिक के साथ देखा जाता रहा है। हाल ही में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जब टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीती, तब भी मिहिका जीत के जश्न के दौरान हार्दिक के साथ मौजूद थीं। हार्दिक ने साल 2024 में सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविच से तलाक लिया था। दोनों की मुलाकात 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी, जिसके बाद उन्होंने उसी साल शादी कर ली थी। 30 जुलाई 2020 को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। जुलाई 2024 में हार्दिक और नताशा ने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया। अब हार्दिक और नताशा मिलकर अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश कर रहे हैं। नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम मॉडल-सिंगर जैस्मीन वालिया के साथ जुड़ा। दोनों को कई मौकों पर एक ही लोकेशन पर स्पॉट किया गया था।

फास्ट न्यूज

बंगाली एक्टर राहुल बनर्जी की समुद्र में डूबने से मौत

नई दिल्ली। बंगाली सिनेमा के एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की कल हादसे में मौत हो गई। वह ओडिशा के तलसरी समुद्र तट पर टीवी शो 'भोले बाबा पार करेगा' की शूटिंग कर रहे थे, तभी डूब गए। इस हादसे में उनकी को-एक्ट्रेस श्वेता मिश्रा की जान बच गई। एक्टर की मौत पर बालासोर (ओडिशा) के एसपी ने बताया, 'कल तलसरी पुलिस को दीघा पुलिस से सूचना मिली कि एक बंगाली अभिनेता की मौत हो गई और शव दीघा अस्पताल में है।

पाकिस्तानी आतंकवाद पर आंखें मूंद रहा अमेरिका

वॉशिंगटन। पाकिस्तान से उत्पन्न हो रहा आतंकवाद, भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अब एक अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और इसे लेकर भारत में निराशा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को कश्मीर पर नई दिल्ली की रेड लाइंस का सम्मान करना चाहिए और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से बचना चाहिए। रिटी' द्वारा जारी एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई है कि प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग के बावजूद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहरा रणनीतिक अविश्वास अब भी संबंधों पर असर डाल रहा है। 'रिपेयरिंग द ब्रीचः गेटिंग यूएस-इंडिया टाइज बैक ऑन ट्रैक' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में दोनों देशों के संबंधों में पैदा हुआ तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

सेंसेक्स में 1600 अंक गिरकर 72,000 पर आया

मुंबई। आज यानी 30 मार्च को सेंसेक्स करीब 1,600 अंक (2.15%) की गिरावट के साथ 72,000 पर आ गया है। वहीं निफ्टी में भी करीब 450 अंक (2.00%) की गिरावट है, ये 22,350 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज बैंकिंग, रियल्टी और ऑटो शेयरों में ज्यादा बिकवाली है। आज कच्चे तेल के दाम में 2% की तेजी है, ये बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। 28 फरवरी को ईरान जंग शुरू होने से पहले कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास थे।

अनीत पड्डा की बहन ने इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट किया

धुरंधर-2 को प्रोपेगेंडा कहने पर जमकर आलोचना हुई

मुंबई, एजेंसी

सैयारा स्टार अनीत पड्डा की बहन उस बयान से विवादों में घिर गईं, जिसमें उन्होंने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा बताया था। बयान के बाद उनकी काफी आलोचना हुई, जिसके चलते उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। रीत पड्डा ने इंस्टाग्राम के अलावा लिंक्डइन अकाउंट भी डिएक्टिवेट कर दिया। इससे पहले उन्होंने अपना अकाउंट प्राइवेट कर दिया था। रीत पड्डा की इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, जिसके जवाब में उन्होंने लिखा, 'मैं सोशल मीडिया पर किसी कमेंट का जवाब दे रही हूं, थोड़ा अजीब लग सकता है, क्योंकि मैं आमतौर पर ऐसा नहीं करती। मुझे लगता है कि यहां किसी की सोच बदलना मुश्किल होता है। लेकिन तुमने मेरी हर पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, इसलिए मैंने एक-एक बात का जवाब देने का सोचा।' आगे उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, कश्मीर फाइल्स, केरल फाइल्स और धुरंधर को प्रोपेगेंडा कहने पर उन्होंने कहा कि उनके हिसाब से धुरंधर सरकार के पक्ष में कहानी दिखाती है और कुछ राजनीतिक बातों को सही ठहराती है, इसलिए इसे प्रोपेगेंडा कहना गलत नहीं है।' 'कश्मीर फाइल्स और केरल फाइल्स पर उन्होंने कहा कि इनमें कुछ आंकड़े बढ़ा-चढ़ा-कर दिखाए गए हैं।

बेटे को जन्म दिया, खुशखबरी शेयर कर कहा- हमारा परिवार बड़ा हो गया है

40 की उम्र में सोनम दूसरी बार मां बनीं

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर दूसरी बार मां बनी हैं। उन्होंने 29 मार्च को मुंबई में बेटे को जन्म दिया। इससे पहले सोनम और उनके पति आनंद आहूजा के घर पहले ही एक बेटा वायु है। सोनम और आनंद ने सोशल मीडिया के जरिए इस खुशखबरी को फैंस के साथ साझा किया। इस खबर के बाद करीना कपूर, आलिया भट्ट, दीया मिर्जा, हुमा कुरैशी समेत कई सेलेब्स ने कपल को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सोनम ने नवंबर 2025 में दूसरी बार मां बनने की खुशखबरी फैंस को दी थी। उन्होंने पिंक ग्लैमरस आउटफिट में मदरहुड कैप्शन के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उनके प्रेग्नेंसी लुक्स भी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे। नम कपूर ने 2018 में दिल्ली के बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के 4 साल बाद 2022 में उनका पहला बेटा वायु हुआ।

अब 2026 में वे दूसरी बार मां बनी हैं। सोनम कपूर ने हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट और ग्लैमरस लुक्स के लिए लोगों का ध्यान खींचा है। उनकी पहली और दूसरी प्रेग्नेंसी के दौरान उनके आउटफिट्स, फोटोशूट और सोशल मीडिया पोस्ट्स काफी चर्चा में रहे। फैंस ने उनके मदरहुड लुक्स की तारीफ की और उनकी स्टाइल को प्रेरणादायक बताया।इस खास मौके पर सोनम और आनंद ने अपने बेटे के स्वागत की खुशी को निजी और फैंस के साथ साझा कर सभी को शामिल किया। दोनों की फैमिली और दोस्त भी इस खुशी में शामिल हुए।

"कपल ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा, बहुत खुशी और प्यार के साथ हम यह बताना चाहते हैं कि आज, 29 मार्च 2026 को हमारे घर एक बेटे का जन्म हुआ है। अब हमारा परिवार बड़ा हो गया है और उसके आने से हमारे दिल खुशी से भर गए हैं। वायु अपने छोटे भाई के आने से बहुत खुश है। इस नन्हे मेहमान ने हमारे घर में ढेर सारी खुशियां ला दी हैं। हम अब चार लोगों का परिवार बनकर इस नई शुरुआत के लिए बहुत आभारी हैं। प्यार के साथ- सोनम, आनंद और वायु।"

फरवरी में गोद भराई की रस्म हुई थी

सोनम कपूर की गोद भराई की रस्म फरवरी में हुई थी, जिसमें कपूर और आहूजा परिवार समेत फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग शामिल हुए। एक्ट्रेस ने तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर लिखा था, 'सीमंतोन्नयन, सनातन धर्म के सोलह संस्कारों में तीसरा संस्कार है। इसे आमतौर पर "बालों की मांग भरने की रस्म" कहा जाता है, जो मां और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे का सम्मान करती है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है।

सैनिकों ने हिरासत में लिया था, ऑपरेशन से हटाकर ट्रेनिंग में भेजा

इजराइल ने सीएनएन पत्रकारों से बदसलूकी पर बटालियन सस्पेंड की

तेल अवीव, एजेंसी

वेस्ट बैंक में CNN पत्रकारों से बदसलूकी और हिरासत मामले में इजराइली सेना ने पूरी बटालियन को सस्पेंड किया और रिजर्व बटालियन की ऑपरेशनल गतिविधियां भी रोक दीं। यह बटालियन नेत्जाह यूनिट का हिस्सा है। सेना के मुताबिक बटालियन को तुरंत वेस्ट बैंक से हटाकर ट्रेनिंग पर भेजा गया है और जांच पूरी होने तक यह किसी ऑपरेशन में शामिल नहीं होगी। यह घटना पिछले हफ्ते फिलिस्तीनी गांव तायासिर में हुई, जहां CNN टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। आरोप है कि सैनिकों ने टीम को हिरासत में लिया और एक फोटो जर्नलिस्ट से मारपीट की, जिससे उसका कैमरा टूट गया। इजराइली सेना ने कहा कि बटालियन को प्रोफेशनल और एथिकल ट्रेनिंग दी जाएगी और मामले

में शामिल सैनिकों पर अलग से कार्रवाई होगी। 26 मार्च को वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनी गांव तयासिर में CNN की टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। कुछ समय पहले ही वहां इजराइली सेटलर्स ने हमला किया था। उसी के बाद की स्थिति दिखाने के लिए CNN के पत्रकार जेरेमी डायमंड अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे थे। CNN की टीम तयासिर के हालात कैमरे पर रिकॉर्ड कर रही थी।

हरेदी समुदाय के लिए बनाई गई नेत्जाह यूनिट

इजराइल में हर किसी के लिए जरूरी रूप से सेना में शामिल होने का नियम है। पुरुषों को लगभग तीन साल और महिलाओं को दो साल सेना में सेवा देनी होती है। यह यूनिट इजराइली सेना की कफिर ब्रिगेड का हिस्सा है। 1948 में जब इस देश का गठन हुआ था। तब हरेदी समुदाय से आने वाले 400 अल्ट्रा-ऑर्थो-डॉक्स पुरुषों को सेना में सेवा से छूट दी थी। इसका मकसद था कि ये लोग धार्मिक शिक्षा और यहूदी परंपराओं को बचाने का काम जारी रख सकें। धीरे-धीरे हरेदी समुदाय के लोगों का आंकड़ा बढ़ता गया जो सेना में शामिल होने से बचते रहे। इससे बाकी समुदाय नाराज रहने लगे।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने हमले की निंदा की

वेस्ट बैंक में CNN की टीम के साथ हुई बदसलूकी को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (FPA) ने निंदा की। संगठन ने इस घटना को हिंसक हमला बताते हुए प्रेस की आजादी पर सीधा हमला करार दिया। संगठन ने आरोप लगाया कि सैनिकों ने पत्रकारों और वहां मौजूद लोगों पर बंदूक तान दी, जबकि पत्रकार अपनी पहचान बता चुके थे।

2 लैब में क्रायोनिक्स तकनीक से शवों का संरक्षण

बोस्टन। मौत को भौतिक रूप से शरीर का अंत मानते हैं। लेकिन दुनिया के कुछ लोग इसे 'रुकावट' मानकर भविष्य में फिर से जीने की तैयारी कर रहे हैं। एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रायोनिक्स तकनीक के जरिए लोग अपने शरीर या सिर्फ दिमाग को 196 डिग्री सेल्सियस के तरल नाइट्रोजन में संरक्षित करवा रहे हैं, इस उम्मीद में कि भविष्य में विज्ञान इतना आगे बढ़ जाएगा कि उन्हें फिर जीवित कर दिया जाएगा। क्रायोनिक्स कोई नई तकनीक नहीं है। 1967 में जेम्स बेडफोर्ड पहले व्यक्ति बने, जिन्हें इस तरीके से संरक्षित किया गया। यानी यह तकनीक करीब 60 साल पुरानी है। आज भी उनका शरीर संरक्षित है, हालांकि उस समय की तकनीक सीमित थी और कोशिकाओं को नुकसान ज्यादा होता था। इस प्रक्रिया की शुरुआत मौत के तुरंत बाद होती है। शरीर को तेजी से ठंडा किया जाता है, फिर खून की जगह खास केमिकल क्रायो-प्रोटेक्टेंट डाले जाते हैं, ताकि कोशिकाओं में बर्फ न जमे। इसके बाद शरीर को धीरे-धीरे 196° डिग्री सेल्सियस तक ठंडा कर कांच जैसी अवस्था (विट्रिफिकेशन) में रखा जाता है। कुछ लोग पूरा शरीर संरक्षित कराते हैं।

हिंदुओं को खालिस्तानी समर्थकों की धमकी

5 को मंदिरों के बाहर प्रदर्शन का ऐलान, एचसीएफ ने कहा- झुकेंगे नहीं

लुधियाना, एजेंसी

खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में फिर से हिंदुओं को धमकियां देनी शुरू कर दी। खालिस्तान चरमपंथी संगठनों(CBKE) ने 5 अप्रैल 2026 को 2 बड़े हिंदू मंदिरों के बाहर 'खालिस्तान जिंदाबाद' रैलियां और प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। खालिस्तान समर्थक ब्रैम्पटन के त्रिवेणी मंदिर और सरे के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को टारगेट कर रहे हैं। खालिस्तानियों ने बकायदा सोशल मीडिया पर इन मंदिरों के गेट पर प्रदर्शन करने का ऐलान कर दिया है। वहीं, हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन (HCF) ने इस पर तुरंत सख्त बयान जारी किया है। उन्होंने साफ कहा है रहमारे मंदिर पूजा के पवित्र स्थान हैं, ये प्रदर्शन के मैदान नहीं हैं। हम धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। HCF ने पूरे कनाडा की पुलिस और सुरक्षा

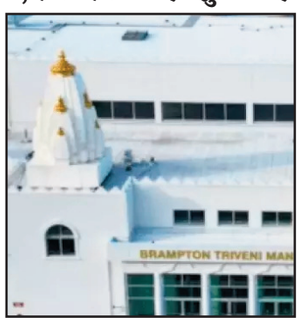

एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि इन चरमपंथियों को रोको, वरना हिंदू समुदाय का भरोसा कनाडा की पुलिस और सरकार से टूट जाएगा। CBKE ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके साफ ऐलान किया कि 5 अप्रैल को ब्रैम्पटन के त्रिवेणी मंदिर और सरे के लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर 'खालिस्तान जिंदाबाद रैली' निकाली जाएगी। ये रैलियां सीधे मंदिर के गेट पर होगी।

चीन और उत्तर कोरिया के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू

कोरोना महामारी की शुरुआत से थी बंद

बीजिंग, एजेंसी

चीन की राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर चाइना ने सोमवार को राजधानी बीजिंग और उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी। यह कदम दोनों देशों के बीच यात्री ट्रेन सेवाओं की बहाली के कुछ ही समय बाद उठाया गया है। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, एयर चाइना की इस उड़ान का स्वागत उत्तर कोरिया में चीन के राजदूत वांग यानुन और अन्य राजनयिकों ने किया। इससे पहले, 12 मार्च को चीन और उत्तर कोरिया के बीच यात्री ट्रेन सेवा भी दोबारा शुरू की गई थी। कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से चीन ने उत्तर कोरिया के लिए उड़ान और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दीं थी। हालांकि,

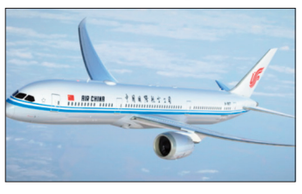

उत्तर कोरिया की एयरलाइन एयर कोरियो ने 2023 में ही दोनों देशों की राजधानियों के बीच उड़ान सेवा बहाल कर दी थी। महामारी के दौरान उत्तर कोरिया ने सभी विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन अब वह धीरे-धीरे इन पाबंदियों में ढील दे रहा है। 2024 में रूस के पर्यटक समूहों ने उत्तर कोरिया का दौरा शुरू कर दिया था। प्रतिबंध से पहले उत्तर कोरिया आने वाले कुल पर्यटकों में लगभग 90 प्रतिशत हिस्सेदारी चीनी पर्यटकों की थी। ऐसे में चीनी पर्यटकों की वापसी में हो रही देरी ने विशेषज्ञों को चौंकाया था। अब ट्रेन और हवाई सेवाओं की बहाली से चीनी पर्यटकों की उत्तर कोरिया में आमद बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और प्रमुख सहयोगी है। हालांकि, बीजिंग ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए मिसाइल परीक्षणों पर असंतोष भी जताया है, जो दक्षिण कोरिया और अमेरिका को निशाना बनाने में सक्षम हो सकते हैं। इस बीच, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने सितंबर में बीजिंग का दौरा किया था और एक भव्य सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यह दशकों में पहली बार था जब किसी उत्तर कोरियाई नेता ने चीनी सैन्य परेड में शिरकत की थी।

सोना 3 हजार बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 30 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 6 हजार रुपए बढ़कर 2.28 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 22 हजार बढ़ चुकी है। हालांकि चांदी की कीमत में 2 हजार की कमी आई है। एक्सपर्ट्स के इनुसार, रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद सोना फिलहाल 'करेक्शन फेज' (कीमतों में सुधार) में है। शॉर्ट टर्म में मोमेंटम थोड़ा कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन लॉन्ग टर्म में तेजी का रुझान बरकरार है। ऐसे में निवेशक सोने में थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं। अगर अमेरिका के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से बेहतर आते हैं तो डॉलर मजबूत होगा और इससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

दक्षिणी लेबनान में इस्राइल का हमला

यूएन शांति रक्षक दल के इंडोनेशियाई सैनिक की मौत, कई घायल

जकार्ता/बेरुत, एजेंसी

लेबनान के दक्षिणी गांव अदशित अल-कुसैर में इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी की चपेट में आने से इंडोनेशिया के एक शांति रक्षक की मौत हो गई। यह सैनिक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (UNIFIL) की इंडोनेशियाई इकाई में तैनात था। रिपोर्टों के अनुसार, रविवार को हुई इस गोलाबारी में शांति सेना के कई कर्मचारी घायल हुए हैं। हमले के तुरंत बाद संयुक्त राष्ट्र के हेलीकॉप्टर प्रभावित इलाके की ओर जाते देखे गए। यह हमला लेबनान और इस्राइल सीमा पर जारी गोलीबारी और बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। इंडोनेशिया ने अपने सैनिक की मौत की पुष्टि की है और इस घटना की कड़ी निंदा की है। इंडोनेशियाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वे अपने शांति रक्षक की मौत और तीन अन्य के घायल होने से बेहद दुखी हैं। सरकार ने शहीद सैनिक के प्रति सम्मान व्यक्त किया और

उनके परिवार के लिए प्रार्थना की। इंडोनेशिया अब संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर शहीद के पार्थिव शरीर को वापस लाने और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था कर रहा है। संगठन ने कहा कि शांति के लिए काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

इंडोनेशिया ने इस घटना की पारदर्शी जांच की मांग की है। सरकार ने इस्राइल के इन हमलों की निंदा करते हुए सभी पक्षों से लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा है। उन्होंने आम लोगों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने की अपील की है। इंडोनेशिया का कहना है कि तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। शांति रक्षकों पर जानबूझकर किए गए हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का गंभीर उल्लंघन हैं। ऐसे हमलों को युद्ध अपराध माना जा सकता है। संगठन ने जोर देकर कहा कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है और हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना ने दी जानकारी

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (UNIFIL) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि अदशित अल-कुसैर के पास एक धमाके में उनके एक शांति रक्षक की जान चली गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल है।

शराब पीकर गाली दी थी, धमकी मिली तो सो रहे भाई को रॉड से पीटकर मार डाला

बड़े ने की छोटे भाई की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बड़े भाई ने सो रहे छोटे भाई के सिर-चेहरे पर रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। दोनों ने रात में शराब पी थी। उसके बाद झगड़ा किया। झगड़े में बड़े भाई ने मां की गाली दी। इस पर छोटे ने धमकी दी कि अगर तुम बड़े न होते तो तुमको आज मार डालता। इस पर मां ने बीचबचाव कर दोनों को शांत करा दिया। छोटा भाई जब सो गया तो बड़ा भाई छत से उतरकर उसके कमरे में रॉड लेकर पहुंचा। उसने सो रहे छोटे भाई के सिर और चेहर पर लोहे के रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला बंथरा थाना क्षेत्र के खांडेदेव गांव का है। वारदात रविवार रात करीब 11 बजे की है। इसकी जानकारी सोमवार तड़के मां को तब हुई जब वह छोटे बेटे को जगाने गई। उसके चेहरे से चादर हटाई तो सिर और चेहरा खून से सना हुआ था। यह

आलोक, मृतक

देखते ही मां बिलख पड़ी। इससे पड़ोसी भी जागकर वहां आ गए। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने सुबह बड़े बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान आलोक उर्फ गोलू (24) के रूप में हुई। बड़े भाई श्रवण गौतम (30) ने उसके सिर पर रॉड से मारा। आरोपी 3 भाई हैं। मझला भाई वीरेंद्र उर्फ अटल मानसिक रूप से कमजोर है। पिता पुत्तीलाल की 8 साल पहले मौत हो गई थी। जब आलोक सो गया तो उसी दौरान श्रवण ने मौका पाकर उसके सिर पर लोहे के रॉड से हमला कर दिया जिससे आलोक की मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की मां यशोदा देवी की शिकायत के आधार पर बड़े बेटे पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मृतक के पिता पुत्तीलाल की 8 साल पहले मौत हो चुकी है। बड़ा भाई श्रवण और छोटा भाई आलोक मजदूरी करते हैं। रविवार रात करीब 9:30 बजे घर में सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी दोनों भाइयों में बहस हो गई। श्रवण ने आलोक को मां की

पुलिस बोली- सुबह हत्या की सूचना मिली, मुकदमा दर्ज

बंथरा थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने बताया- सोमवार सुबह सूचना मिली कि किसी ने युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। जब मौके पर खांडेदेव गांव पहुंचे तो पता चला कि आलोक के सिर पर उसके सगे बड़े भाई श्रवण ने रॉड मारकर हत्या की है। दोनों में किसी बात को लेकर रात करीब 9:30 बजे झगड़ा हो गया था। उसके बाद दोनों सोने चले गए।

- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। घरवालों से पूछताछ की गई है।
- गांव में सुबह फॉरेंसिक की टीम पहुंची। घर से सैंपल कलेक्ट किए।

गाली दी। इस पर आलोक ने श्रवण को धक्का देते हुए मार डालने की धमकी दी। घरवालों ने बीचबचाव कर दोनों को अलग कर दिया। उसके बाद श्रवण छत पर सोने चला गया, जबकि आलोग कमरे में सो गया। रात में श्रवण उठकर नीचे आया और लोहे का रॉड लेकर सोते हुए आलोक के ऊपर ताबड़तोड़ वार कर दिए। भोर में मां ने बिस्तर पर छोटे बेटे की डेडबॉडी देखी तो 5:30 बजे डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने श्रवण को हिरासत में ले लिया। वह उस समय भी शराब के नशे में था। तीनों भाई अविवाहित हैं। दो बहनें कंचन और किरन हैं, दोनों बहनों की शादी हो चुकी है। मृतक और आरोपी की मां यशोदा गर के बाहर बैठी हैं। वह कभी रोने लगती हैं तो कभी गुमसुम हो जाती हैं। उन्होंने पूछने पर बताया-

पुलिस ने मां के विजुअल बयान भी दर्ज कराए। पुलिस 6 घंटे से ज्यादा समय से घर के आसपास तैनात है।

दोनों में खाना खाने से पहले झगड़ा हुआ। उसके बाद गोलू ने खाना नहीं खाया। श्रवण ने मां की गाली दी तो गोलू ने कहा कि गाली मत देना नहीं तो मार डालूंगा।

एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजर ने खुद को गोली मारी

लखनऊ में कमरे में लहूलुहान हालात में मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा इलाके में बैंक के डिप्टी मैनेजर ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना के वक्त कमरे में अकेले थे। परिजन जब कमरे में पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में मिले। मौके पर पहुंची पुलिस में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। मूल रूप से गोरखपुर निवासी काजी अहमद जैद (32) लखनऊ में आदिल नगर कल्याणपुर गुडंबा में परिवार के साथ रहते थे। अलीगंज स्थित एक्सिस बैंक में डिप्टी मैनेजर के पद पर तैनात थे। सोमवार सुबह करीब 9 बजे घर की पहले मंजिल पर बने कमरे में 32 बोर की पिस्टल से खुद को गोली मार ली। काफी देर नीचे नहीं आए तो पत्नी तैयबा देखने पहुंची। तब लहूलुहान हालात में मिले जिसे देखकर पत्नी की चीख निकल गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने

काजी अहमद जैद का लहूलुहान स्थिति में शव। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया।

शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया दो दिन पहले गोंडा रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए थे। वहां से रविवार रात वापस लौटे। इसके बाद सब लोग अपने-अपने कमरे में चले गए। सुबह पत्नी घर का काम करने नीचे आ गई। इस दौरान जैद ने आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में बैंक में घोटाले की बात सामने आ रही है। फिलहाल, पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है।

फास्ट न्यूज़

लखनऊ में आप छात्र विंग ने सड़क पर बजाई थाली

लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी के छात्र विंग ने LPG सिलेंडर के लिए प्रदर्शन किया। करीब 10 छात्रों ने कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे के ग्लोब पार्क से निकलकर कलेक्ट्रेट की ओर मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो नोकझोंक हो गई। एक छात्र के हाथ में छोटी थाली भी थी, जिसे बजाकर सभी नारे लगा रहे थे।

महिला कांस्टेबल ने की सुसाइड की कोशिश

शामली। शामली में एक महिला कांस्टेबल ने अपने घर में फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। पति ने देखा तो जान देने से बचाया और पुलिस को जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया की महिला के गले की हड्डी टूट गई है और उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है। महिला कांस्टेबल और उनके पति दोनों आदर्श मंडी थाना में तैनात हैं। फिलहाल महिला को गंभीर हालत के चलते हरियाणा रेफर किया गया है। पुलिस पति के बयान दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। पूरा मामला आदर्श मंडी थाना परिसर का है। आदर्श मंडी थाना में महिला कांस्टेबल रेखा (36) की ढाई साल से तैनाती है। उनके पति कुशपाल सिंह भी 6 महीने पहले कांधला थाना से ट्रांसफर होकर इसी थाने में आ गए थे। रेखा पति और दो बेटों के साथ थाने से करीब 500 मीटर की दूरी पर एक किराए के मकान में रह रही थीं।

पंचकूला में जीजा की चाकू घोंपकर हत्या

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला में सोमवार सुबह साले ने अपने जीजा की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक अपनी मां को छोड़ने फैक्ट्री जा रहा था। रास्ते में साले ने अपने दो दोस्तों के साथ उसकी छाती, पीठ और सिर पर वार किए। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल हालत में युवक को सेक्टर-6 स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया, यहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

स्टेशन पर सो रही मां की गोद से बेटा चोरी

पति से झगड़े के बाद 3 बेटों संग अमेठी से लखनऊ आई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्टेशन पर सो रही एक मां की गोद से बेटा चोरी हो गया। वह पति से झगड़ा करके अमेठी से अपने 3 छोटे बेटों को लेकर लखनऊ आई थी। यहां रात में स्टेशन पर सो गई। सुबह जागी तो उसका एक बेटा वहां पर नहीं मिला। पूरा मामला 22 फरवरी 2026 का है। पति ने चारबाग जीआरपी में 30 मार्च को शिकायत दी है। इससे पहले अमेठी के थाना सुल्तान वारिसगंज में शिकायत दी थी। अमेठी के अर्जुननगर गांव निवासी धर्मेंद्र के अनुसार, 22 फरवरी को पत्नी से कहासुनी हो गई थी। वह तीनों बेटों को लेकर कहीं चली गई। इसकी सूचना थाने में दी तो पत्नी 3 दिन बाद 25 फरवरी को घर लौट आई। उसके साथ दो बेटे थे लेकिन छोटा बेटा उस्मान (5) नहीं था। पूछने पर उसने बताया कि बेटा सोते

AI जनरेटेड

समय स्टेशन से कहीं लापता हो गया। पत्नी के अनुसार, वह लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 (छोटी लाइन) पर रात में सो गई थी। सुबह जब नींद खुली तो छोटा बेटा वहां नहीं था। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पिता ने जीआरपी चारबाग में शिकायत दर्ज कराई थी। जीआरपी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

आरएलडी का सदस्यता अभियान तेज

प्रोफेशनल मंच के तहत भव्य कार्यक्रम, अंबुज पटेल की अगुवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ स्थित राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश कार्यालय में सोमवार को एक भव्य सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश प्रोफेशनल मंच के तत्वाधान में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने पार्टी की सदस्यता लेकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अंबुज पटेल ने की। उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाते हुए सैकड़ों लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। उनके नेतृत्व में पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। नवसदस्यों ने पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों से प्रेरित होकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और नेतृत्व को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष अंबुज पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा समाज के हर वर्ग को

जोड़ने का कार्य कर रही है। "युवाओं, बुद्धिजीवियों और विभिन्न वर्गों का तेजी से पार्टी से जुड़ना इस बात का संकेत है कि जनता का विश्वास लगातार राष्ट्रीय लोकदल की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में प्रोफेशनल मंच के उपाध्यक्ष अधिवक्ता सोहेल सिद्दीकी, अजय सिंह (क्षेत्रीय अध्यक्ष), मुकेश वर्मा (क्षेत्रीय अध्यक्ष, अवध), सुमित सिंह (अध्यक्ष, अवध क्षेत्र), कमल श्रीवास्तव (प्रदेश महासचिव), प्रदेश सचिव सहित प्रोफेशनल मंच के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रायबरेली से भी जुड़ रहे नए चेहरे

इस सदस्यता अभियान के तहत रायबरेली जनपद से भी कई प्रमुख लोगों ने पार्टी का दामन थामा। ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल होकर संगठन को मजबूती देने का भरोसा जताया। कार्यक्रम में नीरज साहू, प्रदीप गौतम, रोहित, शिवम, शुभांशु, मनीष मोदनवाल, सौरभ भारती, कृष्णा भारती, ऋतिक, कुलदीप गौतम, भारत लाल, मनोज भारती, रोहिता शुक्ला, गंगाराम वर्मा, दिनेश कुमार, अनीश कुमार, राम सुमेर, ऋषिकेश, अरुण भारती और उत्कर्ष आर्य सहित सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रीय लोक दल की सदस्यता ग्रहण की।

66 इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में प्रोफेशनल मंच के उपाध्यक्ष अधिवक्ता सोहेल सिद्दीकी, क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय सिंह, अवध क्षेत्र के अध्यक्ष मुकेश वर्मा, सुमित सिंह, प्रदेश महासचिव कमल श्रीवास्तव सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। आने वाले समय में पार्टी प्रदेश में एक मजबूत विकल्प बनकर उभरेगी।

पुलिसवालों को चप्पल से पीटा, वर्दी फाड़ी

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। लोगों ने सिपाहियों को लाठी-डंडों से पीटा। ईंट-पत्थर चलाए। महिलाओं ने सिपाहियों की वर्दी फाड़ दी। उन्हें चप्पल से मारा। सोमवार को घटना का CCTV सामने आया। मामले में 3 नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। घटना इटौंजा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की है। हमलावर फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कल्याणपुर गांव में जितेंद्र उर्फ निर्मल कनौजिया रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, जितेंद्र ने डायल-112 को सूचना दी कि कुछ लोग गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य करा रहे हैं। सिपाही मोहम्मद सलमान पीआरवी 4944 से ड्राइवर होमगार्ड श्रवण कुमार के साथ मौके पर पहुंचे तो जानकारी झूठी निकली। लोग अपने घर के दरवाजे पर निर्माण करा रहे थे। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा नहीं हो रहा था। इस पर पुलिसकर्मियों ने झूठी सूचना देने पर नाराजगी जताई। इस मामले में किसी भी तरह का हस्तक्षेप करने से भी मना कर दिया। इस पर जितेंद्र और उसके पक्ष के लोग भड़क गए।

ग्लोबल एचआर मीट/प्लेसमेंट ड्राइव-2026' का आगाज

100+ कंपनियों ने लिया हिस्सा, 422 छात्र अगले चरण में चयनित

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 'ग्लोबल HR मीट/प्लेसमेंट ड्राइव-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में देश की 100 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया और युवाओं के रोजगार अवसरों पर मंथन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, प्रभारी कुलपति युवराज सिंह और कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पहले दिन आईटी, मैनेजमेंट, हेल्थ सेक्टर, डेयरी एवं फूड प्रोसेसिंग, फार्मा और नर्सिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों की 50 से अधिक

कंपनियों के HR हेड और निदेशकों ने भाग लिया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में हेल्थकेयर, फार्मा, ऑटोमोबाइल, डेयरी, एग्रीकल्चर और इंजीनियरिंग सेक्टर की कई बड़ी कंपनियों ने हिस्सा लिया, जिनमें: जैसी प्रमुख संस्थाएं शामिल रहीं। संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि भारतीय युवाओं के लिए देश-विदेश में रोजगार के असीम अवसर हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें खुद को बाजार की जरूरतों के अनुसार अपडेट रखना होगा। वहीं प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत तेजी से शोध, नवाचार और कौशल के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। प्रभारी कुलपति युवराज सिंह ने ऐसे आयोजनों को युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने वाला बताया। कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय ने बताया कि दूसरे दिन भी चार दर्जन से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न कंपनियों के HR प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीन, विभागाध्यक्ष, फैकल्टी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मौत : रढ बोलीं- तौलिया उठाते वक्त रिवॉल्वर गिरी, उसी से बुलेट चली

इंस्पेक्टर के सीने में गोली लगी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के अखंड नगर थाने में तैनात इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी (50) को रविवार शाम 6 बजे सरकारी आवास में गोली लग गई। गोली उनके सीने को चीरते हुए कंधे में फंस गई। उन्हें लखनऊ PGI में लाया गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। आज यानी सोमवार को उनकी सर्जरी की जाएगी।

इंस्पेक्टर (क्राइम) अरुण द्विवेदी थाना परिसर में ही सरकारी क्वार्टर में रहते थे। एसपी चारू निगम ने बताया कि यह एक हादसा है। वो अपने कमरे में सामान रख रहे थे, तभी ये घटना हुई। खुद ही अपने घाव को हाथ से दबाकर बाहर आए। थाने के सिपाही और दरोगा से मदद मांगी।

दरोगा कन्हैया पांडेय तुरंत उन्हें लेकर निजी गाड़ी से लखनऊ पीजीआई रवाना हो गए। एसपी ने घटना की

सूचना मिलने पर कादीपुर के सीओ विनय गौतम को मौके पर भेजा। सीओ ने बताया कि केस क्रिटिकल था। स्थानीय स्तर पर कोई अच्छा और बड़ा हॉस्पिटल नहीं है।

इसलिए तत्काल बेहतर इलाज के लिए सीधे लखनऊ ले जाया गया। डीआईजी सोमेन वर्मा ने भी घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की। एडीजी प्रवीण कुमार भी सुल्तानपुर

एसपी ने बताया- गोली इंस्पेक्टर के सीने के पास लगी और दाहिने कंधे की हड्डी में जाकर अटक गई। उनकी हालत स्थिर है। कोई गंभीर आंतरिक चोट नहीं आई है। रिवॉल्वर को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। रिवॉल्वर चैम्बर में पांच राउंड और एक खाली खोखा मिला है।

पहुंचे। अरुण द्विवेदी मूल रूप से प्रयागराज के रहने वाले बताए जा रहे हैं। अरुण 15 मार्च से अखंडनगर थाने के कार्यवाहक प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वह मूल रूप से क्राइम इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

अकेले थे क्राइम इंस्पेक्टर

एसपी ने बताया कि घटना के समय इंस्पेक्टर अरुण अपने कमरे में अकेले थे। कमरा अंदर से बंद था। सामान रख रहे थे। उनके पास उनकी निजी 32 बोर की लाइसेंसी रिवॉल्वर थी। जिसे वो हमेशा अपने पास रखते थे। शाम को तैयार होते समय उन्होंने रिवॉल्वर को एक तौलिये पर रखा था। जब उन्होंने तौलिया खींचा, तो रिवॉल्वर नीचे गिर गई और गोली चल गई। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान घटनास्थल का मुआयना किया गया तो पता चला कि फायर सरकारी गन से नहीं, बल्कि इंस्पेक्टर अरुण की 32 बोर की निजी लाइसेंसी रिवॉल्वर से हुआ था। रिवॉल्वर पूरी तरह से लोडेड थी। मौके पर एक खोखा मिला है।

पृष्ठ 01 का शेष...

जो हथियार...

भगत सिंह और बिरसा मुंडा लोकसभा में IBC में संशोधन करने वाले विधेयक को पेश करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इन्सॉल्वेंसी रिजोल्यूशन प्रोसेस से बाहर आने के बाद कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उनकी कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रैक्टिस में भी सुधार हुआ है। 2025 में सुरक्षा बलों ने 270 नक्सल उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया, 680 नक्सलियों को गिरफ्तार किया और करीब 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए बाध्य किया।

अंगोला से...

इसी वजह से नई डील करना आसान हो जाता है। अंगोला में गैस उत्पादन होता है और वहां LPG के लिए जरूरी प्रोपेन और ब्यूटेन भी मिलते हैं, जिससे भारत को सीधे गैस मिल सकती है। सप्लाई के लिहाज से भी अंगोला सही विकल्प है, क्योंकि समुद्र के रास्ते गैस 12 से 18 दिन में भारत पहुंच सकती है और वहां एक्सपोर्ट की अच्छी सुविधा भी मौजूद है। अंगोला में एनर्जी सेक्टर सरकार के कंट्रोल में है, जिससे सरकारी स्तर पर समझौता करना आसान होता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अफ्रीका से गैस सप्लाई अमेरिका की तुलना में 10 से 15 दिन जल्दी भारत पहुंच सकती है। ऐसे में अंगोला भारत के लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है। अगर यह करार होता है, तो अंगोला पहली बार भारत को रसोई गैस सप्लाई करेगा। भारतीय कंपनियां LPG के लिए करीब एक साल और LNG के लिए कम से कम 10 साल का करार करने पर विचार कर रही हैं। अंगोला के पास करीब 4.6 ट्रिलियन क्यूबिक फीट नेचुरल गैस का भंडार है और वह पहले से ही भारत को कच्चा तेल और LNG सप्लाई करता रहा है। वित्त वर्ष 2025 में अंगोला भारत का पांचवां सबसे बड़ा LNG सप्लायर था। रत सिर्फ अंगोला ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी गैस इम्पोर्ट के ऑप्शन तलाश रहा है, ताकि किसी एक रीजन पर निर्भरता कम की जा सके। इस गैस संकट का असर उर्वरक (फर्टिलाइजर) और स्टील सेक्टर जैसे उद्योगों पर भी पड़ सकता है।

राहुल का आरोप...

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बेल्दा में चुनावी सभा में कहा- भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है। केरल में घर से वोटिंग शुरू प्रक्रिया शुरु हो गई है। जो लोग वोट डालने जाने में असमर्थ हैं, उनसे पोस्टल बैलेट के जरिए वोटिंग कराई जा रही है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सोमवार को चेन्नई के कोलाथुर सीट से नामांकन दाखिल किया। टीवीके चीफ विजय ने पेरम्बूर सीट से नामांकन दाखिल किया। भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की। आरोप लगाया कि टीएमसी बंगाल में चुनाव हाईजैक कर रही है। ममता बनर्जी घर-घर जाकर वोटर्स को धमका रही हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा- ऐसा कभी नहीं हुआ कि बहरामपुर के लोगों ने मुझ पर भरोसा न किया हो। पिछले लोकसभा चुनावों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के कारण मुझे उतने वोट नहीं मिले जितने मिलने चाहिए थे। इसलिए मैं हारा। बाद में यहां के लोगों को इसका पछतावा हुआ। इस बार मुझे चुनावों में समर्थन मिलेगा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और DMK युवा विंग के सचिव उदयनिधि स्टालिन ने कांचीपुरम में चुनावी प्रचार किया। केरल के कन्नूर में UDF ने आरोप लगाया है कि CPM ने तालिपरम्बा में चुनावी प्रचार के दौरान निर्दलीय उम्मीदवार टी.के. गोविंदन के वाहन पर हमला किया।

स्पेन ने अमेरिका...

प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पहले ही अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान की आलोचना कर चुके हैं। वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प ने इस फैसले के जवाब में व्यापार से जुड़े कदम उठाने की धमकी दी है। यूरोपियन यूनियन (EU) ने ईरान पर लगे मानवाधिकार से जुड़े प्रतिबंधों को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। अब ये पाबंदियां 13 अप्रैल 2027 तक जारी रहेंगी। EU ने कहा है कि जिन लोगों और संस्थाओं पर ये प्रतिबंध लगे हैं, वे यूरोप के देशों में यात्रा नहीं कर सकेंगे और उनकी संपत्तियां भी जब्त या फ्रीज रहेंगी। इसके अलावा, ईरान को ऐसे उपकरण भेजने पर भी रोक रहेगी जिनका इस्तेमाल लोगों पर नजर रखने या उन्हें दबाने के लिए किया जा सकता है। EU ने यह भी साफ किया है कि उसके नागरिक और कंपनियां इन प्रतिबंधित लोगों या संस्थाओं को कोई पैसा या आर्थिक मदद नहीं दे सकतीं। फिलहाल इस सूची में 262 लोग और 53 संस्थाएं शामिल हैं।

पहले आधी...

अब हर जिले में वर्चुअल और फिजिकल इसे चालू करना चाहिए। एक गाइड के रूप में इसे तैयार करना होगा। समाज कल्याण विभाग को और काम करने की जरूरत है, ताकि यूपीएससी, एनडीए, सीडीएस, आईआईटी आदि की तैयारी इस कोचिंग में हो सके। इस निशुल्क कोचिंग 1.15 लाख छात्रों को इसका लाभ मिल चुका है। योगी ने कहा, जो हमारे नए अधिकारी चयनित होकर आते हैं, उन्हें एक घंटे हर जिले में इस कोचिंग में समय देना चाहिए। सीएम ने कहा, अब यूपी में पलायन नहीं होता है। आज सुबह ही मैंने महिला एवं बाल विकास की 18 हजार आंगनबाड़ी व सहायिका को नियुक्ति पत्र वितरित किया। कल 665 नर्सिंग को नियुक्ति दिया।

सीतापुर में तड़के 3 बजे मस्जिद को ढहाया

5 बुलडोजर और 500 पुलिसवाले लेकर पहुंचे एडीएम

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया गया। मस्जिद 12 साल पहले बनाई गई थी। एडीएम नीतीश कुमार अफसरों के साथ सोमवार तड़के 3 बजे मौके पर पहुंचे। बुलडोजर मंगाए गए। इसके बाद मस्जिद को ढहाने की कार्रवाई हुई। सुबह 8 बजे तक मस्जिद को जमींदोज कर दिया। मस्जिद जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के नयागांव बेहटी में बनी थी। अफसरों ने बताया- मस्जिद अवैध तरीके से तालाब की जमीन पर बनाई गई थी। ग्राम सभा की शिकायत पर तहसील कोर्ट ने मस्जिद को गिराने का आदेश दिया था। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान ADM, ASP, SDO समेत 500 पुलिस वाले तैनात रहे। मस्जिद के मौलाना अब्दुल रहमान ने कार्रवाई के खिलाफ कुछ भी बोलने से इनकार किया। कहा- यह

सियासी मसला है। इस पर कुछ कहना उचित नहीं है। नयागांव बेहटी में 12 साल पहले 0.2430 हेक्टेयर यानी करीब डेढ़ बीघा जमीन पर मस्जिद 'सैयद हजरत उमर फारूक' का निर्माण कराया गया था। जमीन की कीमत 6 करोड़ रुपए है। मस्जिद के निर्माण में 1 करोड़ रुपए की लागत आई थी। मस्जिद में 120 फीट लंबा और 90 फीट चौड़ा एक हॉल था। इसके अलावा 4 छोटे-छोटे कमरे थे। मस्जिद की देखरेख की जिम्मेदारी मुतवल्ली आलम के पास थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676